By robit7365@gmail.com / August 19, 2026

B.Ed. SECOND YEAR ASSIGNMENT

उपकरणों का वर्गीकरण

आकलन एवं मूल्यांकन

B.Ed. द्वितीय वर्ष | हिंदी माध्यम

ASSESSMENT • TOOLS • CLASSIFICATION

विद्यार्थी का नाम: _____

रोल नंबर: _____

Ask

महाविद्यालय: _____

विश्वविद्यालय: _____

सत्र: _____

विषय-सूची

1. प्रस्तावना
2. आकलन का अर्थ
3. आकलन उपकरण का अर्थ
4. आकलन उपकरणों की आवश्यकता
5. आकलन उपकरणों के वर्गीकरण का आधार
6. परिमाणात्मक उपकरण
7. गुणात्मक उपकरण
8. औपचारिक एवं अनौपचारिक उपकरण
9. मानकीकृत एवं शिक्षक-निर्मित उपकरण
10. मौखिक एवं लिखित उपकरण
11. प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष उपकरण
12. उपलब्धि परीक्षण
13. बुद्धि परीक्षण
14. अभिक्षमता परीक्षण
15. व्यक्तित्व मापन

16. रुचि सूची

17. मापनी

18. प्रश्नावली

19. साक्षात्कार

20. अनुसूची

21. प्रेक्षण

22. समाजमिति

23. चेकलिस्ट

24. रेटिंग स्केल

25. पोर्टफोलियो

26. संचयी अभिलेख

27. उपकरणों की तुलना

28. उपकरण चयन के सिद्धांत

29. उपकरणों की सीमाएँ

30. शैक्षिक उपयोगिता

31. निष्कर्ष

1. प्रस्तावना

शिक्षा प्रक्रिया में केवल शिक्षण कर देना ही पर्याप्त नहीं है। शिक्षक के लिए यह जानना भी आवश्यक है कि विद्यार्थियों ने क्या सीखा, कितना सीखा, किस प्रकार सीखा और सीखने के दौरान उन्हें किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए आकलन और मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। आकलन की प्रक्रिया को व्यवस्थित तथा विश्वसनीय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के उपकरणों का प्रयोग किया जाता है। आकलन उपकरण शिक्षक को विद्यार्थी की उपलब्धि, ज्ञान, कौशल, रुचि, अभिवृत्ति, व्यक्तित्व, व्यवहार तथा अन्य शैक्षिक विशेषताओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने में सहायता करते हैं। एक शिक्षक यदि उचित उपकरण का चुनाव नहीं करता तो प्राप्त परिणाम विद्यार्थी की वास्तविक स्थिति को सही रूप में प्रस्तुत नहीं कर सकते। इसलिए शिक्षक के लिए विभिन्न आकलन उपकरणों की प्रकृति, उद्देश्य, उपयोग, विशेषताओं और सीमाओं को समझना अत्यंत आवश्यक है।

मुख्य विचार: आकलन उपकरण केवल परीक्षा लेने के साधन नहीं हैं। ये विद्यार्थी के समग्र विकास को समझने और शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को बेहतर बनाने के साधन हैं।

2. आकलन का अर्थ

आकलन का सामान्य अर्थ किसी व्यक्ति की उपलब्धि, प्रगति या किसी विशेष गुण के बारे में जानकारी एकत्र करना है। शिक्षा के संदर्भ में आकलन एक सतत प्रक्रिया है जिसके माध्यम से विद्यार्थी के ज्ञान, समझ, कौशल, अभिवृत्ति और व्यवहार के संबंध में प्रमाण एकत्र किए जाते हैं। आकलन को केवल परीक्षा या अंक प्राप्त करने की प्रक्रिया मानना उचित नहीं है। परीक्षा आकलन का एक माध्यम हो सकती है, लेकिन आकलन का क्षेत्र उससे काफी व्यापक है। उदाहरण के लिए यदि शिक्षक किसी विद्यार्थी की पढ़ने की क्षमता जानना चाहता है तो वह केवल लिखित परीक्षा नहीं लेगा। वह विद्यार्थी को पढ़ते हुए देख सकता है, उससे प्रश्न पूछ सकता है, मौखिक अभिव्यक्ति देख सकता है और पठन से संबंधित कार्य भी दे सकता है।

सरल परिभाषा: आकलन वह व्यवस्थित प्रक्रिया है जिसके द्वारा विद्यार्थी के सीखने और विकास से संबंधित जानकारी एकत्र, व्यवस्थित और व्याख्यायित की जाती है।

3. आकलन उपकरण का अर्थ

आकलन उपकरण उन साधनों, विधियों या तकनीकों को कहा जाता है जिनकी सहायता से शिक्षक विद्यार्थियों के बारे में आवश्यक जानकारी एकत्र करता है। इन उपकरणों का प्रयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए उपलब्धि परीक्षण का प्रयोग विषय संबंधी उपलब्धि जानने के लिए, प्रेक्षण का प्रयोग व्यवहार देखने के लिए, प्रश्नावली का प्रयोग विचारों या प्रतिक्रियाओं को जानने के लिए तथा साक्षात्कार का प्रयोग विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है।

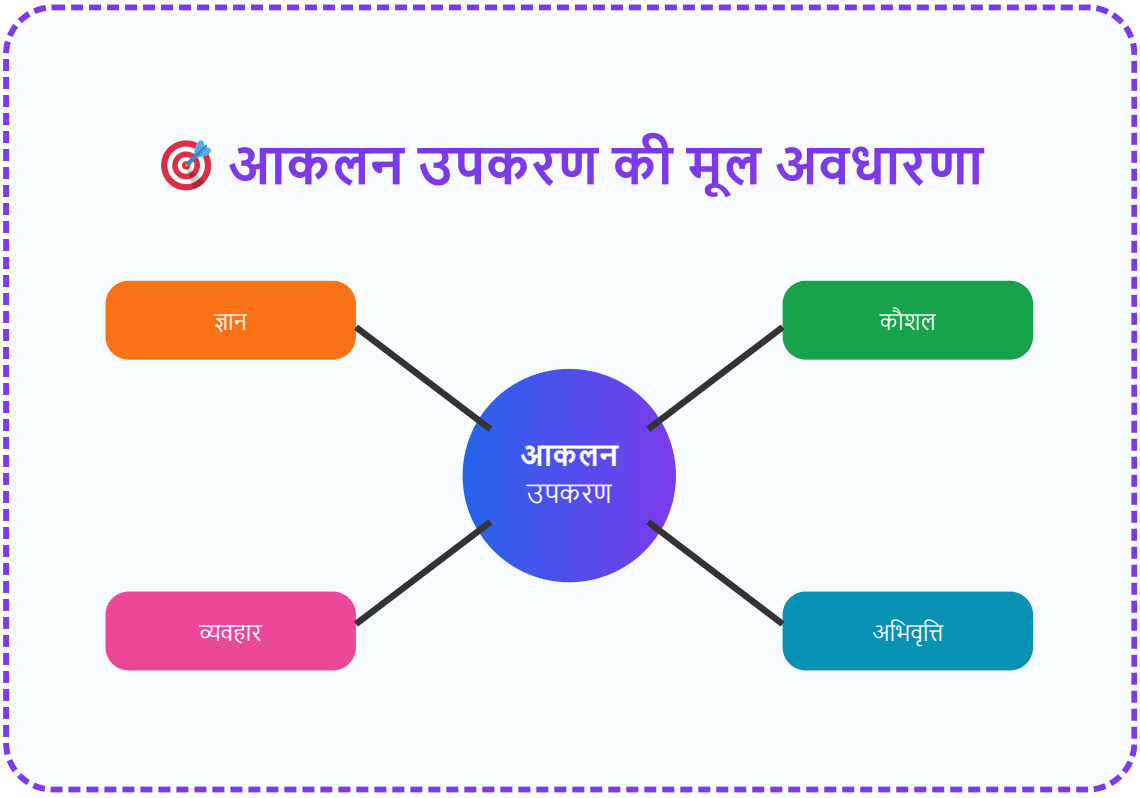

4. आकलन उपकरणों की आवश्यकता

शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में आकलन उपकरणों की आवश्यकता अनेक कारणों से होती है। शिक्षक केवल अपनी कक्षा में विद्यार्थियों को देखकर उनके अधिगम के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त नहीं कर सकता। व्यवस्थित उपकरण अधिक स्पष्ट और उपयोगी प्रमाण उपलब्ध कराते हैं।

4.1 विद्यार्थी की उपलब्धि जानना

आकलन उपकरणों की सहायता से यह पता लगाया जा सकता है कि विद्यार्थी ने निर्धारित अधिगम उद्देश्यों को किस सीमा तक प्राप्त किया है।

4.2 कठिनाइयों की पहचान

किसी विद्यार्थी को किसी विशेष अवधारणा को समझने में समस्या हो सकती है। आकलन उपकरण ऐसी कठिनाइयों की पहचान करने में सहायता करते हैं।

4.3 शिक्षण में सुधार

आकलन से प्राप्त परिणाम शिक्षक को यह तय करने में सहायता करते हैं कि कौन-सी शिक्षण विधि प्रभावी रही और कहाँ परिवर्तन की आवश्यकता है।

4.4 व्यक्तिगत भिन्नताओं को समझना

प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की गति, रुचि, क्षमता और पृष्ठभूमि अलग होती है। विभिन्न उपकरण इन व्यक्तिगत भिन्नताओं को समझने में सहायता करते हैं।

4.5 शैक्षिक निर्णय लेना

विद्यार्थी के लिए अतिरिक्त सहायता, उपचारात्मक शिक्षण, मार्गदर्शन, विषय चयन आदि निर्णय लेने में आकलन उपयोगी होता है।

5. आकलन उपकरणों के वर्गीकरण का आधार

आकलन उपकरणों को एक ही आधार पर वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। इनके वर्गीकरण के लिए उद्देश्य, प्रकृति, डेटा, प्रक्रिया, निर्माण, उपयोग और प्रतिक्रिया के प्रकार जैसे विभिन्न आधारों का प्रयोग किया जा सकता है।

6. परिमाणात्मक उपकरण

परिमाणात्मक उपकरण वे उपकरण हैं जिनसे प्राप्त जानकारी को संख्यात्मक रूप में व्यक्त किया जा सकता है। इन उपकरणों के माध्यम से विद्यार्थी की उपलब्धि या किसी मापनीय विशेषता को अंक, स्कोर, प्रतिशत या अन्य संख्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। उदाहरण के लिए किसी विद्यार्थी ने गणित की परीक्षा में 80 में से 65 अंक प्राप्त किए। यह परिणाम परिमाणात्मक रूप में व्यक्त किया गया है।

उपलब्धि परीक्षण

किसी विषय में विद्यार्थी ने कितना सीखा है, यह जानने के लिए।

बुद्धि परीक्षण

बौद्धिक क्षमता से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए।

अभिक्षमता परीक्षण

भविष्य में किसी कार्य या क्षेत्र में संभावित क्षमता का अध्ययन।

मापनी

किसी विशेष गुण या अभिवृत्ति को निर्धारित स्तर पर मापने के लिए।

7. गुणात्मक उपकरण

गुणात्मक उपकरणों का उद्देश्य विद्यार्थी के व्यवहार, अनुभव, विचार, भावनाओं, अभिवृत्तियों, सामाजिक संबंधों और अन्य विशेषताओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करना होता है। इन उपकरणों से प्राप्त जानकारी हमेशा केवल संख्याओं में नहीं होती। कई बार शिक्षक विवरण, टिप्पणी, व्यवहार संबंधी अभिलेख या वर्णनात्मक प्रतिक्रिया के रूप में जानकारी प्राप्त करता है।

प्रमुख गुणात्मक उपकरण:

- प्रेक्षण
- साक्षात्कार
- प्रश्नावली
- अनुसूची
- समाजमिति
- पोर्टफोलियो
- चेकलिस्ट
- वर्णनात्मक अभिलेख

8. औपचारिक एवं अनौपचारिक उपकरण

औपचारिक उपकरण

औपचारिक उपकरणों का प्रयोग पूर्व निर्धारित नियमों और व्यवस्थित प्रक्रिया के अनुसार किया जाता है। इनके उद्देश्य, प्रक्रिया, निर्देश और मूल्यांकन की व्यवस्था पहले से निर्धारित हो सकती है।

अनौपचारिक उपकरण

अनौपचारिक आकलन में शिक्षक दैनिक कक्षा व्यवहार, बातचीत, प्रश्नोत्तर, गतिविधि और सामान्य निरीक्षण के आधार पर विद्यार्थी के अधिगम के बारे में जानकारी प्राप्त करता है।

आधार	औपचारिक	अनौपचारिक
प्रक्रिया	पूर्व निर्धारित	लचीली
समय	निश्चित हो सकता है	किसी भी समय
उदाहरण	परीक्षा	कक्षा प्रेक्षण
उद्देश्य	व्यवस्थित मापन	दैनिक जानकारी

9. मानकीकृत एवं शिक्षक-निर्मित उपकरण

मानकीकृत उपकरण

मानकीकृत उपकरण वे उपकरण हैं जिनका निर्माण वैज्ञानिक प्रक्रिया के अनुसार किया जाता है तथा जिनके निर्देश, प्रशासन और स्कोरिंग की प्रक्रिया निर्धारित होती है। इन उपकरणों में विश्वसनीयता और वैधता का अध्ययन किया जाता है।

शिक्षक-निर्मित उपकरण

शिक्षक अपनी कक्षा की विशेष आवश्यकता के अनुसार स्वयं जो परीक्षण, प्रश्नपत्र, चेकलिस्ट या अन्य उपकरण तैयार करता है, उन्हें शिक्षक-निर्मित उपकरण कहा जा सकता है।

विशेषता	मानकीकृत	शिक्षक-निर्मित
निर्माण	विशेषज्ञों द्वारा	शिक्षक द्वारा
उद्देश्य	व्यापक उपयोग	विशिष्ट कक्षा
लचीलापन	अपेक्षाकृत कम	अधिक
प्रयोग	विभिन्न समूह	विशिष्ट विद्यार्थी/कक्षा

10. मौखिक एवं लिखित उपकरण

मौखिक उपकरण

मौखिक आकलन में विद्यार्थी से बोलकर उत्तर देने, विचार व्यक्त करने, प्रश्नों का उत्तर देने या किसी विषय पर चर्चा करने को कहा जाता है। मौखिक आकलन भाषा कौशल, अभिव्यक्ति, समझ और त्वरित प्रतिक्रिया जानने में विशेष रूप से उपयोगी हो सकता है।

लिखित उपकरण

लिखित उपकरणों में विद्यार्थी लिखित रूप में अपनी प्रतिक्रिया देता है। लिखित परीक्षा, प्रश्नावली, उपलब्धि परीक्षण और विभिन्न प्रकार के प्रश्नपत्र इसके उदाहरण हैं।

11. प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष उपकरण

प्रत्यक्ष आकलन

प्रत्यक्ष आकलन में विद्यार्थी के वास्तविक प्रदर्शन या व्यवहार को सीधे देखा जाता है। उदाहरण के लिए विद्यार्थी किसी प्रयोग को स्वयं करता है और शिक्षक उसके प्रदर्शन का निरीक्षण करता है।

अप्रत्यक्ष आकलन

अप्रत्यक्ष आकलन में किसी विशेषता के बारे में दूसरे माध्यम से जानकारी प्राप्त की जा
प्रश्नावली, साक्षात्कार या अभिलेख इसके उदाहरण हो सकते हैं।

12. उपलब्धि परीक्षण

उपलब्धि परीक्षण का उद्देश्य यह जानना है कि विद्यार्थी ने किसी निश्चित विषय या पाठ्यक्रम से संबंधित कितना ज्ञान, समझ या कौशल अर्जित किया है। विद्यालयी परीक्षाएँ, इकाई परीक्षण, अर्धवार्षिक परीक्षा और वार्षिक परीक्षा उपलब्धि परीक्षण के सामान्य उदाहरण हैं।

उदाहरण: यदि विज्ञान की एक इकाई पढ़ाने के बाद शिक्षक 20 प्रश्नों का परीक्षण करता है ताकि यह पता लगाया जा सके कि विद्यार्थियों ने उस इकाई को कितना समझा है, तो यह उपलब्धि परीक्षण का उदाहरण हो सकता है।

13. बुद्धि परीक्षण

बुद्धि परीक्षणों का उद्देश्य व्यक्ति की बौद्धिक कार्यक्षमता से संबंधित कुछ पहलुओं का आकलन करना होता है। इनमें तर्क, समस्या-समाधान, समझ, स्मृति तथा अन्य संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं से संबंधित कार्य शामिल हो सकते हैं। शैक्षिक संदर्भ में बुद्धि से संबंधित जानकारी विद्यार्थी की सीखने की प्रकृति और आवश्यकताओं को समझने में सहायक हो सकती है।

महत्वपूर्ण: बुद्धि से संबंधित किसी भी परीक्षण के परिणाम को विद्यार्थी के बारे में अंतिम या पूर्ण निर्णय मानना उचित नहीं है। विद्यार्थी की सामाजिक, भावनात्मक, सांस्कृतिक और शैक्षिक परिस्थितियों को भी ध्यान में रखना आवश्यक है।

14. अभिक्षमता परीक्षण

अभिक्षमता से आशय किसी विशेष प्रकार के कार्य या क्षेत्र में भविष्य में सीखने या प्रदर्शन करने की संभावित क्षमता से संबंधित अवधारणा है। अभिक्षमता परीक्षणों का उपयोग शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन में किया जा सकता है। इनके आधार पर विद्यार्थियों को उनकी रुचियों और क्षमताओं के अनुकूल क्षेत्रों के बारे में मार्गदर्शन दिया जा सकता है।

15. व्यक्तित्व मापन

व्यक्तित्व व्यक्ति के व्यवहार, भावनात्मक प्रतिक्रियाओं, सामाजिक व्यवहार और अन्य मनोवैज्ञानिक विशेषताओं से संबंधित व्यापक अवधारणा है। शिक्षा में व्यक्तित्व संबंधी जानकारी शिक्षक को विद्यार्थियों के व्यवहार और सामाजिक समायोजन को समझने में सहायता कर सकती है।

16. रुचि सूची

रुचि सूची का उपयोग विद्यार्थी की विभिन्न गतिविधियों, विषयों या क्षेत्रों के प्रति पसंद और रुचि को समझने के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए कोई विद्यार्थी विज्ञान प्रयोगों, चित्रकला, संगीत, खेल, लेखन या तकनीकी गतिविधियों में अधिक रुचि दिखा सकता है। रुचि संबंधी जानकारी मार्गदर्शन और शैक्षिक गतिविधियों के नियोजन में उपयोगी हो सकती है।

17. मापनी

मापनी एक ऐसा उपकरण है जिसके माध्यम से किसी विशेष गुण, अभिवृत्ति, रुझान या प्रतिक्रिया को निर्धारित श्रेणियों या स्तरों में व्यक्त किया जा सकता है। मापनी का उपयोग विशेष रूप से तब किया जाता है जब शिक्षक किसी व्यवहार या अभिवृत्ति की तीव्रता अथवा स्तर को समझना चाहता है।

📏 मापनी का उदाहरण

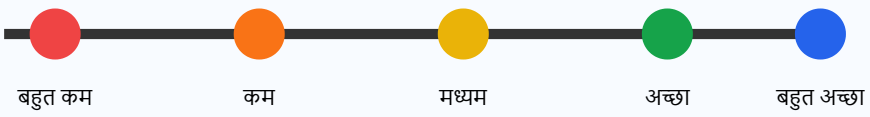

18. प्रश्नावली

प्रश्नावली प्रश्नों का एक व्यवस्थित समूह है जिसे किसी व्यक्ति या समूह से जानकारी प्राप्त करने के लिए तैयार किया जाता है। प्रश्नावली में खुले प्रश्न, बंद प्रश्न या दोनों प्रकार के प्रश्न हो सकते हैं। शैक्षिक शोध में प्रश्नावली का प्रयोग विद्यार्थियों, शिक्षकों या अन्य व्यक्तियों के विचार, अनुभव, रुचि और प्रतिक्रियाएँ जानने के लिए किया जा सकता है।

अच्छी प्रश्नावली की विशेषताएँ:

- प्रश्न स्पष्ट होने चाहिए।
- अनावश्यक रूप से लंबे प्रश्न नहीं होने चाहिए।
- प्रश्न अध्ययन के उद्देश्य से संबंधित होने चाहिए।
- भ्रमित करने वाले प्रश्नों से बचना चाहिए।
- भाषा सरल और समझने योग्य होनी चाहिए।

19. साक्षात्कार

साक्षात्कार एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें साक्षात्कारकर्ता और उत्तरदाता के बीच बातचीत के माध्यम से जानकारी प्राप्त की जाती है। साक्षात्कार संरचित, अर्ध-संरचित या अपेक्षाकृत अनौपचारिक हो सकता है। शैक्षिक संदर्भ में इसका प्रयोग विद्यार्थी की समस्या, अनुभव, दृष्टिकोण, रुचि या किसी विशेष परिस्थिति को समझने के लिए किया जा सकता है।

🗣 साक्षात्कार प्रक्रिया

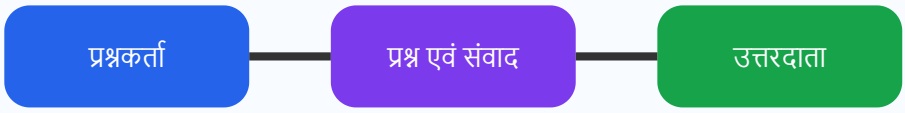

20. अनुसूची

अनुसूची प्रश्नों या सूचनाओं का एक व्यवस्थित प्रारूप है जिसका प्रयोग जानकारी एकत्र करने के लिए किया जाता है। प्रश्नावली और अनुसूची में समानताएँ होने के बावजूद दोनों की प्रशासन प्रक्रिया अलग हो सकती है। अनुसूची में जानकारी एकत्र करने वाला व्यक्ति उत्तरदाता से प्रश्न पूछकर उत्तर दर्ज कर सकता है।

21. प्रेक्षण

प्रेक्षण का अर्थ किसी व्यक्ति के व्यवहार, गतिविधि या प्रदर्शन को व्यवस्थित रूप से देखना और उससे संबंधित जानकारी दर्ज करना है। शिक्षक कक्षा में विद्यार्थियों के सहयोग, सहभागिता, नेतृत्व, अनुशासन, कार्य करने की शैली और अन्य व्यवहारों का प्रेक्षण कर सकता है। प्रेक्षण प्रत्यक्ष व्यवहार की जानकारी प्राप्त करने में विशेष रूप से उपयोगी है।

22. समाजमिति

समाजमिति का उपयोग छोटे समूह में व्यक्तियों के बीच सामाजिक संबंधों, पसंद, सहयोग या समूहगत स्थिति को समझने के लिए किया जा सकता है। कक्षा में समाजमिति की सहायता से शिक्षक समूह के सामाजिक संबंधों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है और समूह गतिविधियों की योजना अधिक सावधानी से बना सकता है।

👥 समाजमिति का सरल SVG मॉडल

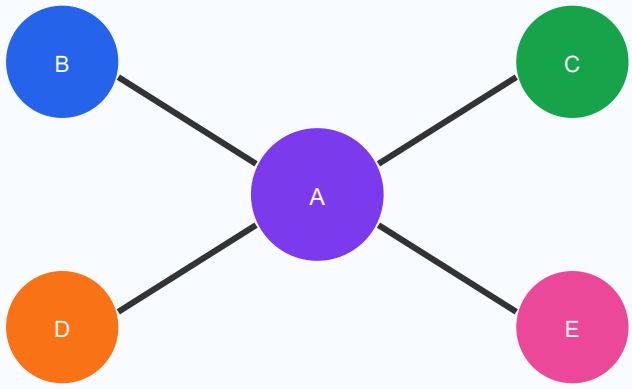

23. चेकलिस्ट

चेकलिस्ट एक ऐसी सूची है जिसमें किसी कार्य, व्यवहार या विशेषता की उपस्थिति या अनुपस्थिति को दर्ज किया जा सकता है। उदाहरण के लिए शिक्षक यह देख सकता है कि विद्यार्थी ने प्रयोग के निर्धारित चरण पूरे किए या नहीं।

उदाहरण:

- ☐ विद्यार्थी ने निर्देश पढ़े।
- ☐ विद्यार्थी ने आवश्यक सामग्री तैयार की।
- ☐ विद्यार्थी ने कार्य निर्धारित क्रम में किया।
- ☐ विद्यार्थी ने परिणाम दर्ज किया।
- ☐ विद्यार्थी ने निष्कर्ष लिखा।

24. रेटिंग स्केल

रेटिंग स्केल का उपयोग किसी व्यवहार या विशेषता की मात्रा या स्तर को निर्धारित करने के लिए किया जा सकता है। इसमें विभिन्न स्तर निर्धारित किए जाते हैं और प्रेक्षक विद्यार्थी के व्यवहार को किसी स्तर पर दर्ज करता है। उदाहरण के लिए कक्षा सहभागिता को बहुत कम, कम, मध्यम, अच्छा और बहुत अच्छा जैसी श्रेणियों में दर्ज किया जा सकता है।

25. पोर्टफोलियो

पोर्टफोलियो विद्यार्थी के कार्यों का व्यवस्थित संग्रह होता है। इसमें विद्यार्थी के समय के साथ किए गए विभिन्न कार्य, परियोजनाएँ, लेखन, चित्र, गतिविधि रिपोर्ट और अन्य उपलब्धियाँ शामिल हो सकती हैं। पोर्टफोलियो विद्यार्थी की प्रगति को एक ही परीक्षा के बजाय लंबे समय के कार्य के आधार पर समझने का अवसर देता है।

26. संचयी अभिलेख

संचयी अभिलेख विद्यार्थी के शैक्षिक जीवन से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाओं का व्यवस्थित रिकॉर्ड हो सकता है। इसमें शैक्षिक उपलब्धि, उपस्थिति, गतिविधियों में सहभागिता, रुचियाँ, विशेष उपलब्धियाँ और आवश्यक अन्य जानकारी शामिल की जा सकती है। ऐसा अभिलेख विद्यार्थी की दीर्घकालीन प्रगति को समझने में सहायक हो सकता है।

27. विभिन्न आकलन उपकरणों की तुलना

उपकरण	मुख्य उद्देश्य	प्राप्त जानकारी	उदाहरण
उपलब्धि परीक्षण	सीखने की उपलब्धि जानना	स्कोर/प्रदर्शन	विषय परीक्षा
प्रेक्षण	व्यवहार देखना	व्यवहार संबंधी जानकारी	कक्षा सहभागिता
साक्षात्कार	विस्तृत जानकारी	विचार एवं अनुभव	विद्यार्थी वार्ता
प्रश्नावली	विचार/राय जानना	उत्तर	रुचि सर्वेक्षण
मापनी	स्तर निर्धारित करना	रेटिंग/स्तर	अभिवृत्ति
चेकलिस्ट	उपस्थिति/ अनुपस्थिति	हाँ/नहीं प्रकार	कौशल सूची
पोर्टफोलियो	दीर्घकालीन प्रगति	कार्य संग्रह	परियोजना कार्य
समाजमिति	समूह संबंध	सामाजिक संबंध	समूह पसंद

28. उचित आकलन उपकरण चुनने के सिद्धांत

शिक्षक को किसी भी उपकरण का चयन केवल इसलिए नहीं करना चाहिए कि वह आसानी से उपलब्ध है। उपकरण का चयन आकलन के उद्देश्य और विद्यार्थी की आवश्यकता के अनुसार किया जाना चाहिए।

1. उद्देश्य

सबसे पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि शिक्षक किस चीज का आकलन करना चाहता है।

2. वैधता

उपकरण वही विशेषता मापने में सक्षम होना चाहिए जिसके लिए उसका प्रयोग किया जा रहा है।

3. विश्वसनीयता

उपकरण से प्राप्त परिणाम पर्याप्त रूप से स्थिर और भरोसेमंद होने चाहिए।

4. व्यावहारिकता

उपकरण समय, संसाधन और उपलब्ध परिस्थितियों में प्रयोग करने योग्य होना चाहिए।

29. आकलन उपकरणों की सीमाएँ

कोई भी एक आकलन उपकरण विद्यार्थी की सभी विशेषताओं को पूर्ण रूप से माप नहीं सकता। प्रत्येक उपकरण की अपनी प्रकृति और सीमाएँ होती हैं।

- लिखित परीक्षा व्यवहार की पूरी जानकारी नहीं देती।
- प्रेक्षण में प्रेक्षक की व्यक्तिगत धारणा का प्रभाव पड़ सकता है।
- प्रश्नावली में उत्तरदाता हमेशा सही या पूर्ण जानकारी नहीं दे सकता।
- साक्षात्कार में समय अधिक लग सकता है।
- मानकीकृत उपकरण हर कक्षा की स्थानीय आवश्यकता के लिए समान रूप से उपयुक्त नहीं हो सकते।
- शिक्षक-निर्मित उपकरण की गुणवत्ता शिक्षक की तैयारी पर निर्भर कर सकती है।
- किसी एक परीक्षा के परिणाम से विद्यार्थी के पूरे व्यक्तित्व का निर्णय नहीं किया जाना चाहिए।

30. शैक्षिक उपयोगिता

आकलन उपकरणों का सबसे महत्वपूर्ण योगदान यह है कि वे शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को प्रमाण आधारित बनाने में सहायता करते हैं। शिक्षक इन उपकरणों के माध्यम से विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को समझकर शिक्षण में आवश्यक सुधार कर सकता है। उदाहरण के लिए यदि उपलब्धि परीक्षण से पता चलता है कि अधिकांश विद्यार्थी किसी अवधारणा को नहीं समझ पाए हैं, तो शिक्षक उसी विषय को अलग विधि, उदाहरण, गतिविधि या शिक्षण सामग्री के माध्यम से दोबारा समझा सकता है। इसी प्रकार प्रेक्षण से यदि पता चलता है कि कोई विद्यार्थी समूह कार्य में भाग नहीं लेता, तो शिक्षक उसके लिए सहयोगात्मक गतिविधियाँ और उचित मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है। इस प्रकार आकलन उपकरण केवल परिणाम दर्ज करने के साधन नहीं हैं बल्कि शिक्षण सुधार के महत्वपूर्ण साधन भी हैं।

🔄 आकलन से शिक्षण सुधार तक

31. निष्कर्ष

आकलन उपकरण शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनके माध्यम से शिक्षक विद्यार्थी के ज्ञान, कौशल, उपलब्धि, व्यवहार, अभिवृत्ति, रुचि और सामाजिक संबंधों के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकता है। आकलन उपकरणों का वर्गीकरण विभिन्न आधारों पर किया जा सकता है। इनमें परिमाणात्मक और गुणात्मक उपकरण, औपचारिक और अनौपचारिक उपकरण, मानकीकृत और शिक्षक-निर्मित उपकरण, मौखिक और लिखित उपकरण तथा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उपकरण प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त उपलब्धि परीक्षण, बुद्धि परीक्षण, अभिक्षमता परीक्षण, मापनी, प्रश्नावली, साक्षात्कार, अनुसूची, प्रेक्षण, समाजमिति, चेकलिस्ट, रेटिंग स्केल, पोर्टफोलियो और संचयी अभिलेख जैसे अनेक उपकरण शैक्षिक आकलन में उपयोग किए जा सकते हैं। किसी एक उपकरण को सभी परिस्थितियों में सर्वोत्तम नहीं माना जा सकता। उपकरण का चयन हमेशा आकलन के उद्देश्य, विद्यार्थी की आयु, विषय-वस्तु, समय, उपलब्ध संसाधन और अपेक्षित जानकारी के आधार पर किया जाना चाहिए। एक कुशल शिक्षक विभिन्न उपकरणों का संतुलित और उचित प्रयोग करके विद्यार्थियों की सीखने की वास्तविक स्थिति को बेहतर ढंग से समझ सकता है। इससे न केवल विद्यार्थी के प्रदर्शन का आकलन होता है बल्कि शिक्षण की गुणवत्ता में भी सुधार किया जा सकता है। अतः कहा जा सकता है कि आकलन उपकरण शिक्षा के लिए केवल मापन के साधन नहीं हैं, बल्कि वे प्रभावी शिक्षण, उचित मार्गदर्शन, व्यक्तिगत सहायता और विद्यार्थी के समग्र विकास के महत्वपूर्ण साधन हैं।

अंतिम निष्कर्ष: “उचित उद्देश्य + उचित उपकरण + सही प्रक्रिया + सही व्याख्या = प्रभावी शैक्षिक आकलन।”

📚 संदर्भ सूची

- शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन से संबंधित B.Ed. अध्ययन सामग्री।
- शिक्षक शिक्षा एवं शैक्षिक आकलन से संबंधित पाठ्यक्रम सामग्री।
- मनोवैज्ञानिक मापन एवं मूल्यांकन की आधारभूत अध्ययन सामग्री।
- विद्यालयी आकलन एवं मूल्यांकन संबंधी शैक्षिक संदर्भ सामग्री।
- विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित B.Ed. पाठ्यक्रम एवं अध्ययन निर्देश।

🎓 B.Ed. 2nd Year Assignment

उपकरणों का वर्गीकरण

हिंदी माध्यम | आकलन एवं मूल्यांकन

विद्यार्थी हस्ताक्षर: _____

शिक्षक हस्ताक्षर: _____

← PREVIOUS
b ed 2nd sem question paper 20…

Leave a Comment

Logged in as robit7365@gmail.com. Edit your profile. Log out? Required fields are marked *

Type here..

Post Comment

Copyright © 2026 examsnotesandpapers.com | Powered by Astra WordPress Theme